यूनिवर्सिटी इस्टीट्यूट आफ हेल्थ सांइसेस
ANNUAL PROGRESS REPORT

दिनांक 05, 06 व 07 अक्टूबर, 2017 को **यूनिवर्सिटी इंस्टीट्यूट आफ हेल्थ साइंसेस, इण्टरनेशनल सोसाइटी फार लाइफ साइंसेस,** व **इण्डियन मेडिकल एसोसिएशन कानपुर** शाखा द्वारा **विश्वविद्यालय के सभागार** व **यूनिवर्सिटी इंस्टीट्यूट आफ हेल्थ साइंसेस** में **इण्टरनेशनल कांफ्रेस आन फाइट अगेंस्ट कैंसर** का आयोजन किया गया। इस अंतर्राष्ट्रीय कांफ्रेस का उद्घाटन दिनांक 05 अक्टूबर को **मा0 राज्यपाल, उत्तर प्रदेश, श्री राम नाईक** जी द्वारा किया गया। इस अंतर्राष्ट्रीय कांफ्रेस में **25 वैज्ञानिक सत्र** हुए, जिनमें

विदेश व देश से आए हुए **30 वक्ताओं** ने अपने व्याख्यान प्रस्तुत किये। विदेश से आने वाले वक्ताओं में **प्रो0 सी0वी0 राव, अमेरिका; प्रो0 एच0आर0 चिटमे, ओमान; प्रो0 हरी एस0 शर्मा, नीदरलैण्ड; डा0 सृष्टि रामशा, मारीशस** प्रमुख थे। इस कांफ्रेस हेतु **820 प्रतिभागियों** ने अपना पंजीकरण कराया था। देश व विदेश के **25 प्रोग्राम डायरेक्टर व 60 चेयरपरसन** ने वैज्ञानिक व्याख्यानों के संयोजन में अपना योगदान दिया। पोस्टर प्रस्तुतीकरण सत्र में लगभग **90 पोस्टर** प्रदर्शित किये गये व पेपर प्रस्तुतीकरण सत्र में **26 शोध** पत्र प्रस्तुत किये गये। दिनांक 07 अक्टूबर, 2017 को सम्पन्न समापन समारोह में कांफ्रेस की स्मारिका व एब्सट्रेक्ट बुक का विमोचन किया गया।

5. दिनांक 14.11.2017 को विश्व डायबिटीज दिवस पर यूनिवर्सिटी इंस्टीट्यूट आफ हेल्थ साइंसेस, छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय, कानपुर, राष्ट्रीय सेवा योजना (विश्वविद्यालय की द्वितीय एवं तृतीय इकाई) तथा इण्डियन मेडिकल एसोसिएशन कानपुर द्वारा मधुमेह के सम्बन्ध में एक स्वास्थ्य जागरूकता व्याख्यान आयोजित किया गया। इस व्याख्यान के मुख्य अतिथि थे छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय के

कुलपति, प्रो0 जे0वी0 वैशम्पायन व विशिष्ट वक्ता थे उ0प्र0 डायबिटीज एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष डा0 बृज मोहन। व्याख्यान का उद्घाटन मुख्य अतिथि प्रो0 जे0वी0 वैशम्पायन, कुलपति, मुख्य वक्ता डा0 बृज मोहन, आई0एम0ए कानपुर के अध्यक्ष डा0 प्रवीन कटियार, प्रो0 संजय श्रीवास्तव, डीन, स्टूडेंट वेलफेयर, सी0एस0जे0एम0यू0, कानपुर, डा0 रश्मि गोरे व डा0 विवेक सचान द्वारा किया गया।

आई0एम0ए0 कानपुर के अध्यक्ष डा0 प्रवीन कटियार ने अतिथियों का स्वागत किया व विश्व मधुमेह दिवस के सम्बन्ध में सभी को अवगत कराते हुए बताया कि विश्व स्वास्थ्य संगठन के 2016 के डाटा के अनुसार पूरे विश्व में लगभग 422 मिलियन व्यक्ति डायबिटीज मेलाइटस से ग्रसित हैं। डायबिटीज से ग्रसित व्यक्तियों की संख्या बहुत तेजी से बढ़ रही है। भारत वर्ष में 07 प्रतिशत व्यक्ति ऐसे हैं जिनमें में कि डायबिटीज की बीमारी का पता चल चुका है। पुरूषों में यह प्रतिशत 7.1 और महिलाओं यह प्रतिशत 6.8 प्रतिशत है। शहरी क्षेत्रों के निवासियों में यह प्रतिशत 9.8 व ग्रामीण क्षेत्र के निवासियों में यह प्रतिशत 5.7 है। वर्ष 2015 में पूरे भारतवर्ष में डायबिटीज के केसेस की संख्या 69.1 मिलियन थी। इस बार वर्ल्ड डायबिटीज डे की थीम **है वूमेन एण्ड डायबिटीज अवर राइट टू ए हेल्थी फ्यूचर।** इस थीम के द्वारा वे महिलायें जो कि मधुमेह बीमारी से ग्रसित हैं या जिनमें मधुमेह बीमारी होने की सम्भावना अधिक है, उनको आवश्यक दवायें उपलब्ध कराना, प्रशिक्षित करना व डायबिटीज के सम्बन्ध में आवश्यक जानकारी देकर टाइप–2 डायबिटीज से बचाना प्रमुख है।

व्याख्यान के मुख्य वक्ता डा0 बृज मोहन ने मधुमेह : महिलायें और स्वास्थ्य विषय पर प्रस्तुत अपने व्याख्यान में बताया कि पूरे विश्व में 10 में से 1 महिला मधुमेह से ग्रसित है। प्रत्येक 7 महिलाओं में से 1 महिला जेसटेशनल डायबिटीज मेलाइटिस (गर्भावस्था में मधुमेह) से पीड़ित है। भारत में यह प्रतिशत और भी अधिक है। उन्होंने बताया कि जिन महिलाओं में जेशटेनल डायबिटीज मेलाइटिस बीमारी होती है। उनमें गर्भस्थ शिशु पर इसका असर पड़ता है साथ ही साथ इन महिलाओं के बच्चों में मोटापा, ह्रदय रोग, डायबिटीज व ब्लड प्रेशर की बीमारी होने का खतरा 6 से 10 गुना अधिक होता है। जेशटेनल डायबिटीज मेलाइटिस वाली महिलाओं में ह्रदय रोग, डिप्रेशन, एनजाइटी व स्ट्रोक का खतरा बढ़ जाता है। **महिलाओं में मधुमेह अधिक गम्भीर बीमारी है।** उन्होंने विद्यार्थियों को बताया कि डायबिटीज से बचाव के लिए अपनी दिनचर्या को सही करना अत्यन्त आवश्यक है। व्यक्ति स्वस्थ्य जीवन शैली अपनाना चाहिए। समय पर भोजन, व्यायाम, चिन्तन व नींद अवश्य लेना चाहिए और वर्ष में कम से कम 2 बार डायबिटीज के लिए नियमित चेकअप कराना चाहिए। उन्होंने डायबिटीज की A, B, C,D, E के बारे में जानकारी दी। A=HbA1c Test, B=Blood Pressure, C=Cholesterol, D=diet, E=Exercise.

इस व्याख्यान का लाभ विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों के विद्यार्थियों तथा शिक्षकों ने लिया। इस व्याख्यान में आई0एम0ए0 कानपुर के संयुक्त सचिव डा0 एस0के0 निगम, प्रो0 संजय स्वर्णकार, डा0 सिधांशु राय, डा0 आशीष श्रीवास्तव, डा0 के0के0 पाण्डेय, डा0 भारती दीक्षित, डा0 शाह मोहम्मद व अन्य शिक्षकगण उपस्थित थे।

डा0 रश्मि गोरे, कार्यक्रम अधिकारी, एन0एस0एस0 द्वितीय इकाई ने कार्यक्रम का संचालन किया, डा0 विवेक सचान ने एन0एस0एस0 के कार्यों के सम्बन्ध में बतया व प्रो0 संजय श्रीवास्तव ने सभी धन्यवाद ज्ञापित किया।